

परमेश्वर मुझसे 28 तरीकों से प्रेम करता है

युवा पाठकों के लिए बाइबल

पाठ 22 — मेरा मंदिर

मैं पढ़ सकता हूँ — वचन

“तुम्हें पता होना चाहिए कि तुम्हारा शरीर पवित्र आत्मा का मंदिर है। पवित्र आत्मा तुम्हारे अंदर रहता है... इसलिए अपने शरीर के द्वारा परमेश्वर का सम्मान करो।”

— 1 कुरिन्थियों 6:19, 20

मेरी कहानी

बस, अब यह काम हो जाना चाहिए,” पिताजी ने थकी हुई मुस्कान के साथ कहा। हमारा गैराज अब साफ हो गया है। अगर मैं खुद कहूँ तो यह बहुत अच्छा लग रहा है। हमने अच्छा काम किया, मैंने गर्व से कहा, लेकिन एक समस्या है। मैंने बाहर रास्ते में पड़े कबाड़ और कूड़े के ढेर की ओर इशारा किया। हम इन सब चीज़ों का क्या करेंगे? हमारे पास पुराने और टूटे हुए औज़ारों के डिब्बे हैं, खाली तेल के डिब्बे हैं, एक ऐसी स्लेज है जिसमें केवल एक ही पटरी बची है और जंग लगा हुआ बास्केटबॉल का घेरा है। फिर ये बदबूदार कूड़े की थैलियाँ हैं, जिनमें गंदे कपड़े और दूसरी बेकार चीज़ें भरी हैं। हम इन सब चीज़ों को यहाँ नहीं छोड़ सकते। पिताजी ने कुछ देर सोचा और फिर सिर हिलाकर कहा, “मुझे पता है। चलो, सब कुछ वैन में रख देते हैं और चर्च ले जाकर वहाँ प्रार्थना सभा के कमरे में फेंक देते हैं। यह सब पादरी के मंच और ऑर्गन के बीच अच्छी तरह आ जाएगा।”

मैंने घबराकर कहा, “चर्च में! हम ऐसा नहीं कर सकते!” पिताजी ने कहा, “क्यों?” मैंने कहा, क्योंकि चर्च परमेश्वर का घर है। यह उनका मंदिर है! पिताजी मुस्कुराए, तुम्हारा मतलब है, जैसे तुम्हारा शरीर उनका मंदिर है? मैं रुक गया और मेरा मुँह खुला का खुला रह गया। फिर मैं मुस्कुराया। मैंने कहा, ओह, अब मैं समझा, आप मेरे उस सारे जंक फूड की बात कर रहे हैं जो मैं खाता हूँ। मेरा शरीर परमेश्वर का मंदिर है और मुझे उसमें इतना बीमारी वाला कचरा नहीं डालना चाहिए। पिताजी ने कहा, “जो लोग यीशु से प्रेम करते हैं, उन्हें उन लोगों से अलग होना चाहिए जो उनसे प्रेम नहीं करते।” उन्होंने कहा, “हमारी आवाज़ अलग होनी चाहिए, हमारा व्यवहार अलग होना चाहिए और यहाँ तक कि हमारा भोजन भी अलग होना चाहिए। परमेश्वर हमारे हृदय में रहना चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे वह हमारे चर्च में रहना चाहता है।” मैंने कूड़े की ओर देखा और कल्पना करने की कोशिश की कि अगर यह सारा कूड़ा पादरी के मंच के पास ढेर लगा दिया जाए तो कितना भयानक लगेगा। फिर मैंने अपने शरीर को मीठे और चिकने जंक फूड से भरा हुआ कल्पना किया। मैंने एक बड़ी प्लास्टिक की थैली उठाई और मुस्कुराते हुए कहा, “चलो, यह सब कूड़े के ढेर वाली जगह पर ले चलते हैं, जहाँ इसे होना चाहिए। मैं परमेश्वर के मंदिर में कोई कूड़ा नहीं डालूँगा।” और हमने बिल्कुल ऐसा ही किया।

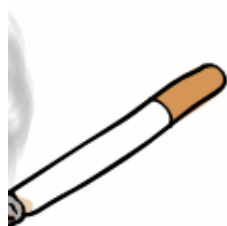
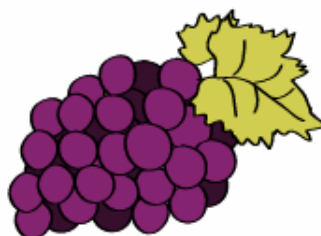
कूड़ा बाहर निकालना

नीचे दी गई चीज़ों में से जिनके बारे में तुम जानते हो कि वे तुम्हारे लिए अच्छी हैं, उनके चारों ओर गोला बनाओ।

जिन चीज़ों के बारे में तुम जानते हो कि वे तुम्हारे लिए अच्छी नहीं हैं, उन पर बड़ा **X** लगाओ।

याद रखो, तुम परमेश्वर का मंदिर हो।

तुम्हें क्या लगता है, परमेश्वर चाहता है कि तुम उसके मंदिर में क्या डालो?



मेरी बाइबल

जब परमेश्वर ने इस संसार को बनाया, तो उन्होंने उसमें वे सभी चीज़ें भी रखीं जिनकी हमें स्वस्थ रहने के लिए आवश्यकता है। आइए, सृष्टि के सात दिनों के बारे में पढ़ें और देखें कि उन्होंने हमें स्वस्थ और मजबूत रखने के लिए क्या-क्या बनाया।

इन बाइबल वचनों को पुस्तकालय में देखें और फिर प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पहले दिन

परमेश्वर ने बनाया _____

(उत्पत्ति 1:3)

दूसरे दिन

परमेश्वर ने _____ बनाया, जो _____ को अलग करता है।

(उत्पत्ति 1:7)

तीसरे दिन

परमेश्वर ने सूखी _____ और _____ बनाई।

(उत्पत्ति 1:9, 11)

चौथे दिन

परमेश्वर ने दो बड़े _____ बनाए।

(उत्पत्ति 1:16)

हम जानते हैं कि दिन के लिए जो है उसे _____ कहा जाता है और रात के लिए जो है उसे _____ कहा जाता है।

पाँचवें दिन

परमेश्वर ने _____ बनाए और उन्हें पानी में रखा, और _____ बनाए और उन्हें आकाश में रखा।

(उत्पत्ति 1:20)

छठे दिन

परमेश्वर ने पृथ्वी को भरने के लिए _____ बनाए और पृथ्वी की देखभाल करने के लिए _____ बनाए।

(उत्पत्ति 1:24, 27)

सातवें दिन

परमेश्वर ने _____ किया।

(उत्पत्ति 2:2)

क्या परमेश्वर अद्भुत नहीं हैं?

उन्होंने दिन और रात बनाए ताकि हम काम कर सकें और सो सकें। उन्होंने हवा बनाई ताकि हम साँस ले सकें और पानी बनाया ताकि हम उसे पी सकें। अगर हमारे पास हवा और पानी न हो, तो हम मर जाएँगे। उन्होंने सूर्य बनाया, जो हमारे शरीर को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ होने में मदद करता है। उन्होंने हमारे खाने

के लिए पौधे बनाए, ताकि हम बड़े और मजबूत हो सकें। उन्होंने मछलियाँ, पक्षी और जानवर बनाए, ताकि हमारे आसपास हमेशा मित्र रहें। और उन्होंने हममें से प्रत्येक को बनाया, ताकि हम दूसरों की मदद कर सकें और बीमार या दुखी लोगों के साथ परमेश्वर का प्रेम बाँट सकें।

अंत में, उन्होंने हमें सातवें दिन विश्राम करना सिखाया, ताकि हम अपने व्यस्त जीवन से बहुत अधिक थके और दुखी न हों।

कितना अद्भुत परमेश्वर है!

मेरी प्रार्थना

हे यीशु, मुझे बनाने और यह दिखाने के लिए धन्यवाद कि स्वस्थ रहने के लिए मुझे किन चीज़ों की आवश्यकता है। मैं अपने शरीर को एक ऐसा **मंदिर** बनाए रखूँगा, जहाँ आप रहना चाहेंगे। मैं आपसे प्रेम करता हूँ, यीशु। आमीन।

पुस्तकालय

“परमेश्वर ने कहा, ‘उजियाला हो जाए!’”

(उत्पत्ति 1:3)

“परमेश्वर ने पानी को दो भागों में अलग करने के लिए हवा बनाई।”

(उत्पत्ति 1:7)

“परमेश्वर ने कहा, ‘आकाश के नीचे का पानी एक जगह इकट्ठा हो जाए, ताकि सूखी भूमि दिखाई दे।’ ... फिर परमेश्वर ने कहा, ‘पृथ्वी वनस्पतियाँ उत्पन्न करे।’”

(उत्पत्ति 1:9, 11)

“परमेश्वर ने दो बड़ी ज्योतियाँ बनाई।”

(उत्पत्ति 1:16)

“परमेश्वर ने कहा, ‘पानी जीवित प्राणियों से भर जाए। और पक्षी पृथ्वी के ऊपर आकाश में उड़ें।’”

(उत्पत्ति 1:20)

“फिर परमेश्वर ने कहा, ‘पृथ्वी पशु-पक्षियों से भर जाए।’ ... और फिर उन्होंने अपने स्वरूप में मनुष्यों को भी बनाया।”

(उत्पत्ति 1:24, 27)

“सातवें दिन परमेश्वर ने अपने सारे काम से विश्राम किया।”

(उत्पत्ति 2:2)

मेरी मित्र एलेन ने लिखा

“परमेश्वर चाहता है कि शरीर उसके आत्मा के रहने का मंदिर हो। तब प्रत्येक व्यक्ति के ऊपर कितनी गंभीर जिम्मेदारी है! यदि हम अपने शरीर को अशुद्ध करते हैं, तो हम केवल स्वयं को ही नुकसान नहीं पहुँचाते, बल्कि बहुत से अन्य लोगों को भी नुकसान पहुँचाते हैं।”

— *रिव्यू एंड हेराल्ड*, 6 नवंबर 1900

“अशुद्ध करना” (defile) शब्द का अर्थ है— “अपनी गलत और बीमार करने वाली आदतों के कारण स्वयं को बीमार करना।”

सोचिए और लिखिए

आपको खाने के लिए कौन-कौन सी चीज़ें सबसे ज्यादा पसंद हैं?

क्या वे आपके शरीर के लिए स्वस्थ हैं या हानिकारक?